27

विज्ञापन लेखन
(Advertisement Writing)

हम क्या जानेंगे

विज्ञापन का अर्थ तथा उसकी उपयोगिता, विज्ञापन की विशेषताएँ, एक अच्छा विज्ञापन बनाने की कला।

चलें पाठ की ओर

कला समेकन एवं समस्या समाधान कौशल

(क) पहचानिए, ये किन वस्तुओं के विज्ञापन हैं?
रसोई से रिश्तों तक
लिखें रॉयल, दिखें रॉयल

(ख) अपने समूह के साथ किसी वस्तु का अथवा जागरूकता हेतु एक विज्ञापन बनाकर उसकी रेडियो प्रस्तुति दीजिए।

शिक्षण-संकेत– बच्चों से विज्ञापन लेखन के विषय में चर्चा करते हुए उन्हें पाठ की ओर ले चलें।

पाठ

विज्ञापन में आप या तो अपने व्यापार का प्रचार करते हैं या फिर किसी विचार का। इस आधार पर विज्ञापन को व्यापार या विचार के प्रचार का तरीका कहा जा सकता है। इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं–

व्यापार अथवा विचार के प्रचार-प्रसार का तरीका विज्ञापन कहलाता है।

परिभाषा पर विचार किया जाए, तो पता चलता है कि विज्ञापन दो प्रकार के होते हैं–

1. व्यापार से संबंध रखने वाले विज्ञापन (व्यावसायिक विज्ञापन)
2. विचार से संबंध रखने वाले विज्ञापन (जनहित में जारी विज्ञापन)

दोनों ही वर्गों के विज्ञापन मौखिक और लिखित दोनों रूपों में होते हैं। विज्ञापन के ज़रिए बड़ी व छोटी कंपनियाँ प्रचार करके अपनी-अपनी वस्तुओं की ओर लोगों का ध्यान खींचती हैं।

कुछ चर्चित विज्ञापन–

(क) वॉशिंग पाउडर निरमा जिसके झाग ने जादू कर दिया
दूध-सी सफ़ेदी निरमा से आए, रंगीन कपड़ा भी खिल-खिल जाए
सबकी पसंद निरमा वॉशिंग पाउडर निरमा

(ख) तंदुरुस्ती की रक्षा करता है लाइफ़बॉय
लाइफ़बॉय है जहाँ, तंदुरुस्ती है वहाँ

इनके अलावा ठंडा मतलब कोका कोला, कुछ मीठा हो जाए आदि भी बड़ी कंपनियों के विज्ञापन हैं। छोटी-बड़ी दुकानों के अपने विज्ञापन होते हैं। जैसे– हमारे यहाँ बेहतरीन मैकेनिकों द्वारा गाड़ियों की तसल्लीबख्श सर्विस की जाती है। एक बार सेवा का मौका दें। 'दुर्घटना संभावित क्षेत्र...गाड़ी धीरे चलाएँ', 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'दुल्हन ही दहेज है', 'धीरे चलें, घर पर कोई आपकी प्रतीक्षा में है' आदि विज्ञापन लोगों को सचेत व जागरूक बनाने के लिए होते हैं।

अच्छे विज्ञापन की विशेषताएँ–

1. विज्ञापन की भाषा बहुत सरल व लुभाने वाली होनी चाहिए।
2. विज्ञापन में कम-से-कम शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
3. 25-50 अथवा इससे भी कम शब्दों वाले विज्ञापन अच्छे माने जाते हैं, किंतु परीक्षा में हमें दी गई शब्द-सीमा का ही ध्यान रखना चाहिए।
4. विज्ञापन की प्रस्तुति सुंदर होनी चाहिए, ताकि वह लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकें।

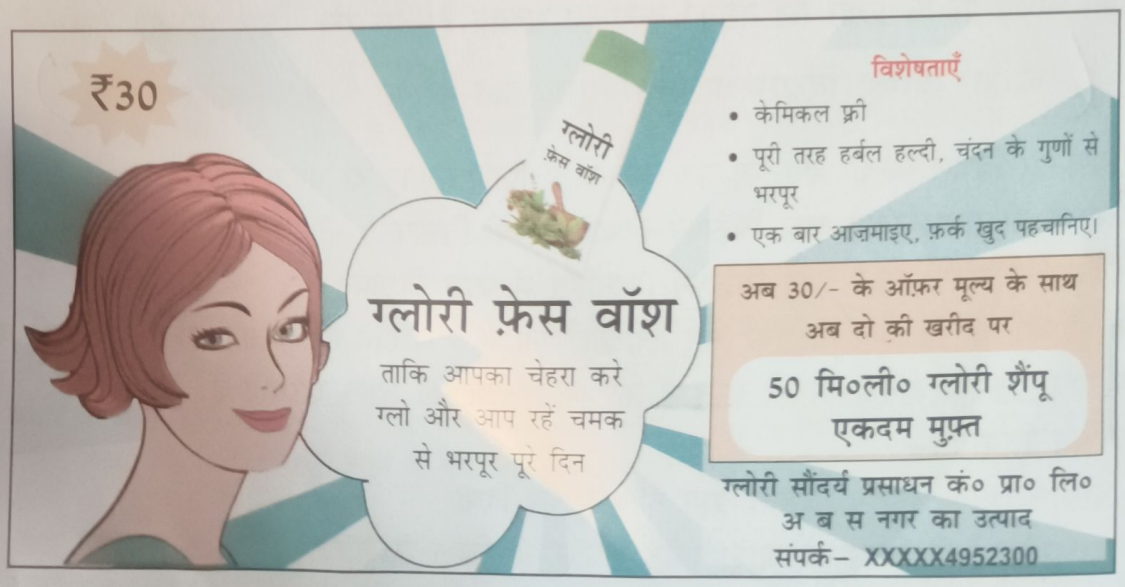
कैसे बनाएँ एक अच्छा विज्ञापन?

1. किसी वस्तु का विज्ञापन

क्या-क्या रखें याद?

नाम और काम हो। खूबी हो दाम हो।।
ऑफ़र लुभाए जो। सबको ही भाए जो।।
भाषा भी आम हो। कंपनी का नाम हो।।

काव्य-पंक्तियों के अनुसार पहले वस्तु का नाम लिखें, उसके बाद उसके काम और खूबियों का उल्लेख करें, फिर दाम और ऑफ़र यानी छूट या कुछ साथ में दी जाने वाली फ्री वस्तुओं के बारे में लिखें तथा इन सबमें आम यानी सरल भाषा का प्रयोग करें और अंत में कंपनी का नाम लिख दें। जैसे–



साड़ियाँ ही साड़ियाँ!

साड़ियाँ ही साड़ियाँ!

...सपना भरा एक नाम।
...कुल मुनासिब दाम॥
एक बार आएँगे फिर
और कहीं नहीं जाएँगे।

सभी साड़ियों पर
40 प्रतिशत तक की
छूट!



साड़ीघर

दो साड़ियाँ खरीदने पर
₹499/- दाम का एक शॉल
बिलकुल मुफ़्त!!



...अब देरी कैसी? आइए–

...घंटाघर के पास, गली नं०-2, अ ब स नगर, फ़ोन- 4868

कभी विचार का विज्ञापन

...को से दूरी रखने के लिए सरकार द्वारा जनहित में जारी विज्ञापन

नशा नाश की जड़ है भाई
इसको छोड़ो, तभी भलाई।
आपसे ही आपके परिवार की खुशियाँ हैं, इसलिए
नशे से नाता तोड़ें
ज़िंदगी से नाता जोड़ें
भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी





लिखिए (कोई भी एक)

निम्नलिखित विषयों पर विज्ञापन बनाइए–

1. घड़ियों की दुकान के लिए 30-40 शब्दों में एक विज्ञापन बनाइए।
2. सेनिटाइज़र एवं मास्क कंपनी के लिए 30-40 शब्दों में एक विज्ञापन बनाइए।
3. 'सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा' विषय पर यातायात पुलिस, क ख ग नगर की ओर से जनहित में जारी 30-40 शब्दों में एक विज्ञापन बनाइए।
4. 'मोंटू स्कूल बैग' बनाने वाली कंपनी का विज्ञापन बनाइए।

रचनात्मक गतिविधि

कक्षा को चार-चार के समूह में बाँटकर 'विज्ञापन प्रस्तुतीकरण गतिविधि' करवाई जा सकती है। इसमें हर समूह को व्यवसाय से संबंधित या जनहित में जारी विज्ञापन की टी.वी./रेडियो विज्ञापन के समान प्रस्तुति देनी है।